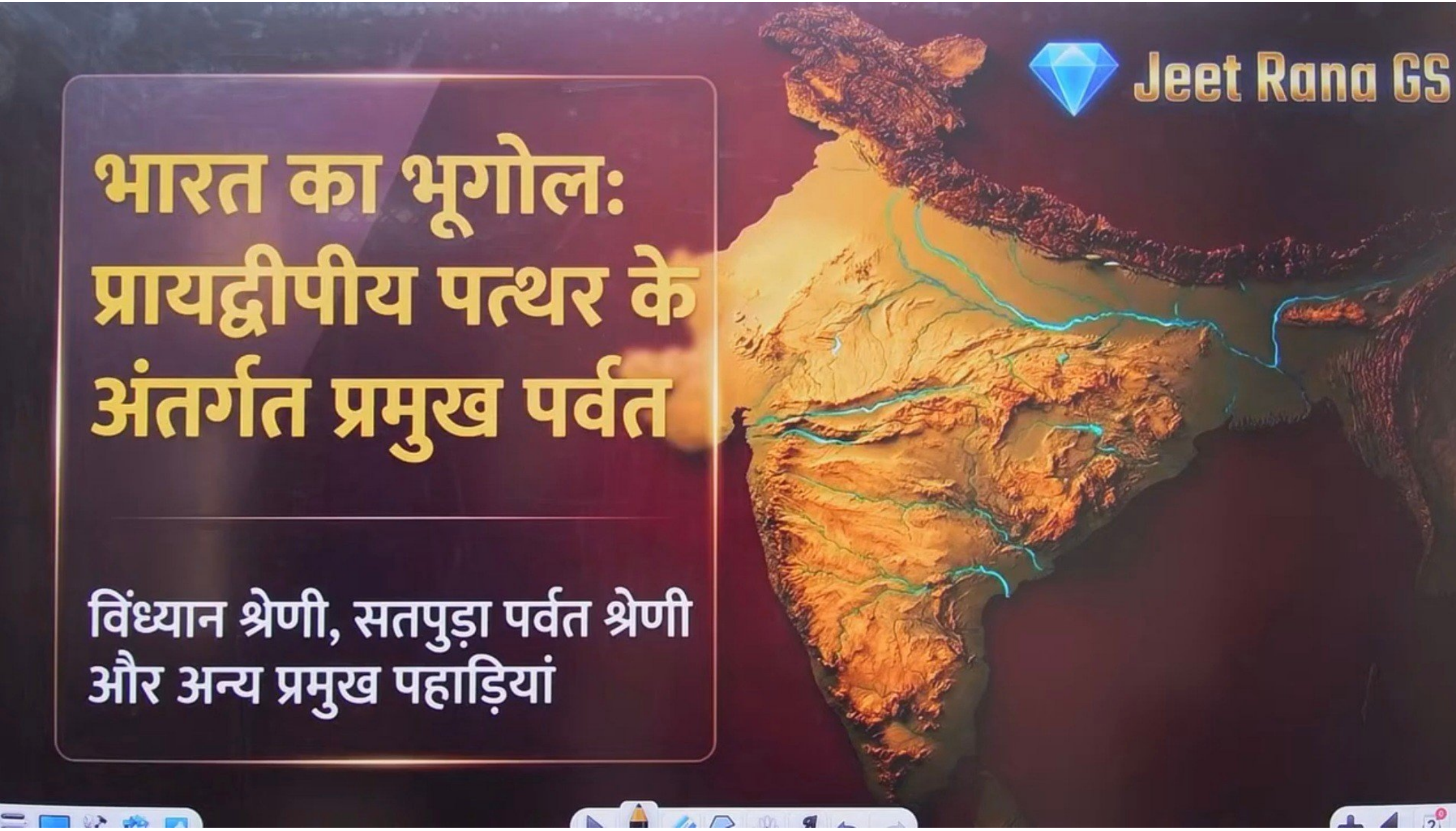
Jeet Rana GS
भारत का भूगोल:
प्रायद्वीपीय पत्थर के
अंतर्गत प्रमुख पर्वत
विंध्यान श्रेणी, सतपुड़ा पर्वत श्रेणी
और अन्य प्रमुख पहाड़ियां

गुजरात में पालनपुर से लेकर के जो दिल्ली तक... 800 किलोमीटर की लंबाई
दुनिया के सबसे पुराने माउंटेन में से एक...प्रीतांबियन टाइम पीरियड में बना था
गुरु शिखर है जो की पूरे अरावली की सबसे ऊंची छोटी है
Jeet Rana GS

Jeet Rana

विंध्याचल पर्वत श्रेणी (विंध्यान रेंज)

इसकी शुरुआत होती है गुजरात से और गुजरात मध्य प्रदेश होते हुए ये बिहार तक फैला हुआ है

विंध्याचल भी एक भ्रमश पर्वत है यह भी एक ब्लॉक माउंटेन है

अब यह एक अवशिष्ट पर्वत बचा है... रिजिडुअल माउंटेन (Residual Mountain)

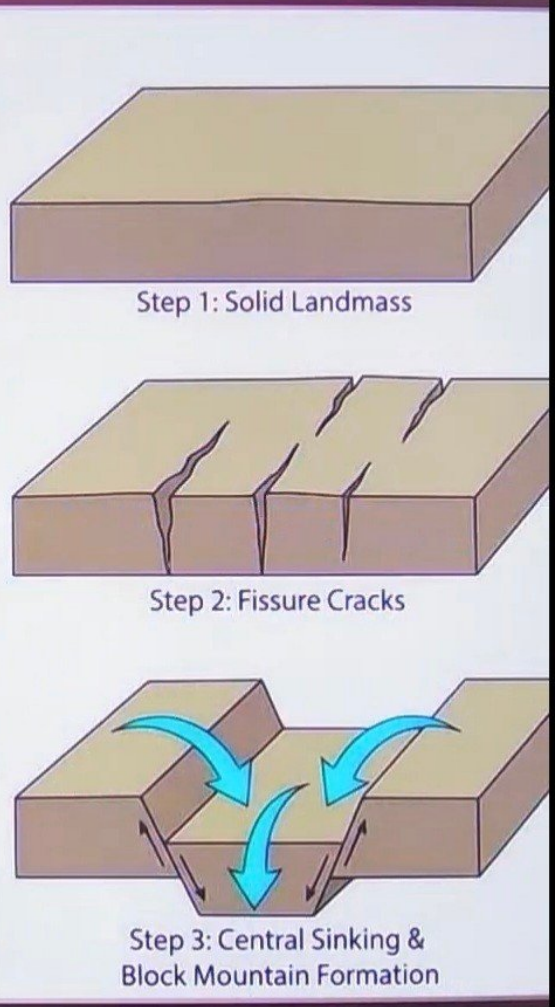

अलग-अलग प्रकार की
छोटी-छोटी पहाड़ियां:
जोबार, भंडार, और कैमूर
सद्भावना शिखर जिसे इंग्लिश में गुडविल पिक कहा जाता है
यह पूरे विंध्याचल श्रेणी का सर्वोच्च शिखर है...
ऊंचाई 752 मीटर है...
यह मध्य प्रदेश में स्थित है
Jeet Rana G

विंध्य रेंज
हिमालय और
प्रायद्वीपीय
नदियों के बीच में
जल विभाजन
का काम करती है
water Division
minerals
limestone
खनिज यहां चूना पत्थर बड़ी
मात्रा में पाया जाता है...
सीमेंट उद्योग पाए जाते हैं
Cement Industry
लाल बलुआ पत्थर (Red
Sandstone) भी पाया जाता है...
लाल किला और आगरा जैसे की
इमारत में इस्तेमाल
Jeet Rana

सतपुड़ा पर्वत श्रेणी

यह श्रेणी गुजरात से झारखंड के बीच में फैली हुई है

यह भी एक ब्लॉक पर्वत है... बहुत ज्यादा अपरदन हुआ है... अब एक अवशिष्ट पर्वत के रूप में दिखाई देती है

Residual

ऊपर विंध्यन रेंज दिखाई देती है... बीच में नर्मदा घाटी है... नीचे सतपुड़ा

Jeet Rana

सतपुड़ा के हिस्से

राजप्रीपला (Rajpipla),
महादेव पहाड़ी (Mahadeo Hills),
और मैकल श्रेणी (Maikal Range)

महादेव पहाड़ी (Mahadeo Hills)...

यहीं पर स्थित है धूपगढ़ चोटी
(Dhupgarh Peak, 1350 मीटर)

पचमढ़ी (Pachmarhi)

मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है...
इसे सतपुड़ा की रानी कहा जाता है...
यह एक इको सेंसेटिव जोन है

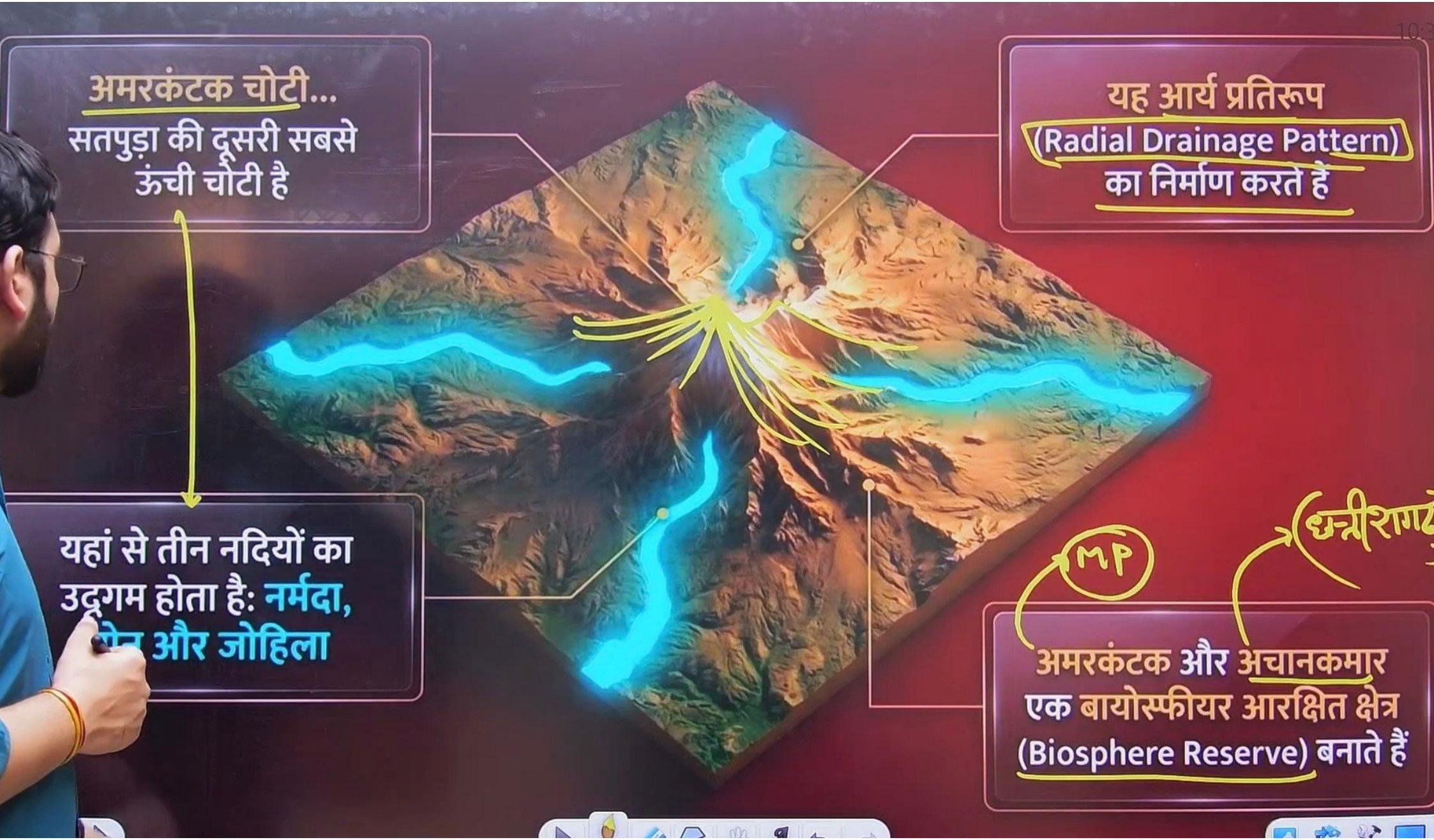

अमरकंटक चोटी...
सतपुड़ा की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है
यहां से तीन नदियों का उद्गम होता है: नर्मदा,
और जोहिला
यह आर्य प्रतिरूप (Radial Drainage Pattern) का निर्माण करते हैं
MP
अमरकंटक और अचानकमार एक बायोस्फीयर आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserve) बनाते हैं

Jeet Rana GS

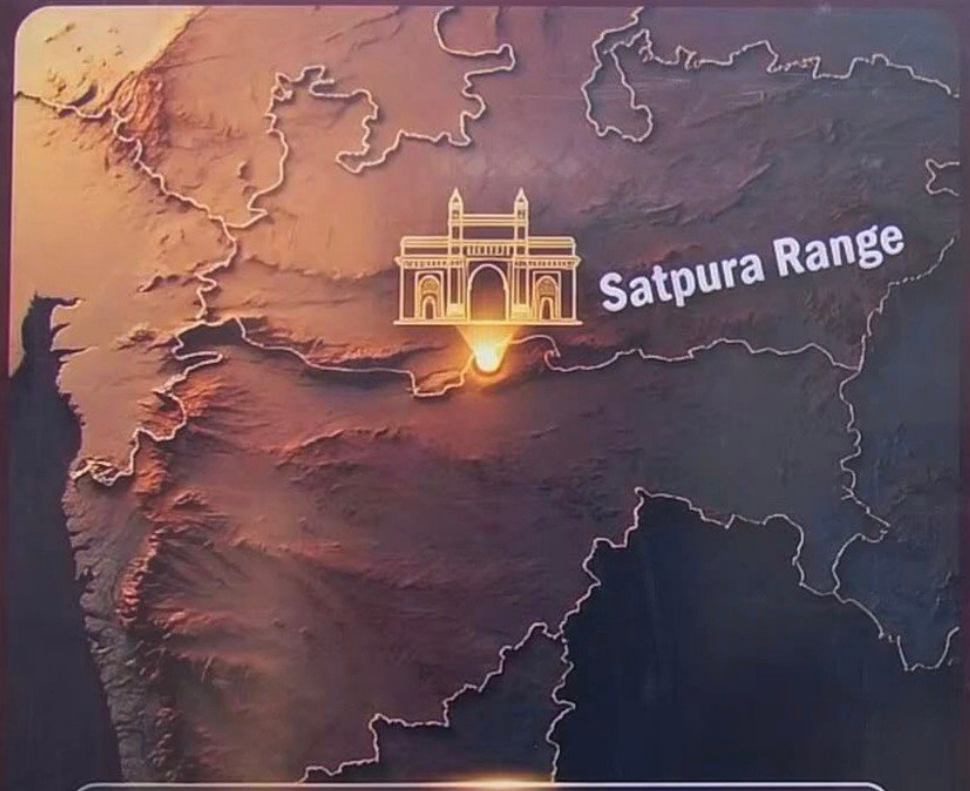

बुरहानपुर दर्रा
(Burhanpur Pass)

खनिज: यहां पर बेसाल्ट और ग्रेनाइट की चट्टानें पाई जाती हैं... **तांबा, कोयला** यहां पाया जाता है

बुरहानपुर दर्रे को **दक्कन का प्रवेश द्वार** (Gateway of Deccan) कहा जाता है

Jeet Rana GS

विंध्याचल पर्वत श्रेणी	सतपुड़ा पर्वत श्रेणी
विस्तार: गुजरात से बिहार	विस्तार: गुजरात से झारखंड
सर्वोच्च शिखर: सद्भावना शिखर (752 मी)	सर्वोच्च शिखर: धूपगढ़ (1350 मी)
हिस्से: जोबार, भंडार, कैमूर	हिस्से: राजपीपला, महादेव, मैकल

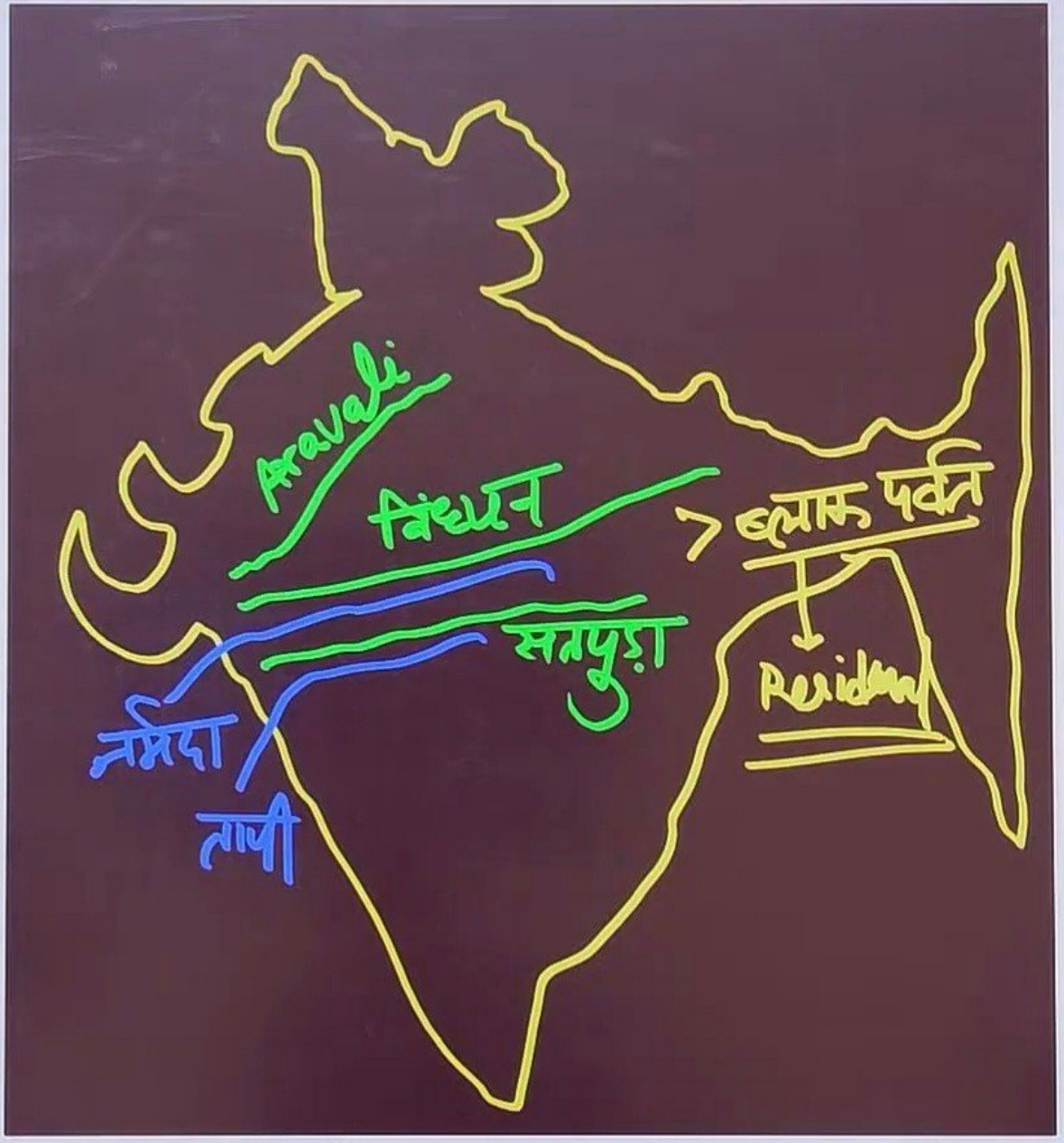
Aravalli
विंध्यन
सतपुड़ा
नर्मदा
ताप्ती
> ढलान पर्वत
Residual

गिर की पहाड़ियां: जूनागढ़ गुजरात में स्थित है... एशिया शेर या बब्बर शेरों के लिए जानी जाती है

अजंता की पहाड़ियां: तापी नदी के दक्षिण में महाराष्ट्र में स्थित है... गुप्त कालीन चित्र गुफाएं पाए जाते हैं

Peninsular India

प्रायद्वीपीय पठार

- मध्य उच्च भूमि ✓ → + उ० पूर्वी भारत में विस्तार
- दक्कन ट्रैप ✓
- आन्ध्रा - तेलंगाना पठार ✓
- प्रमुख पर्वत, पहाड़ियाँ ✓

नदियाँ ✓

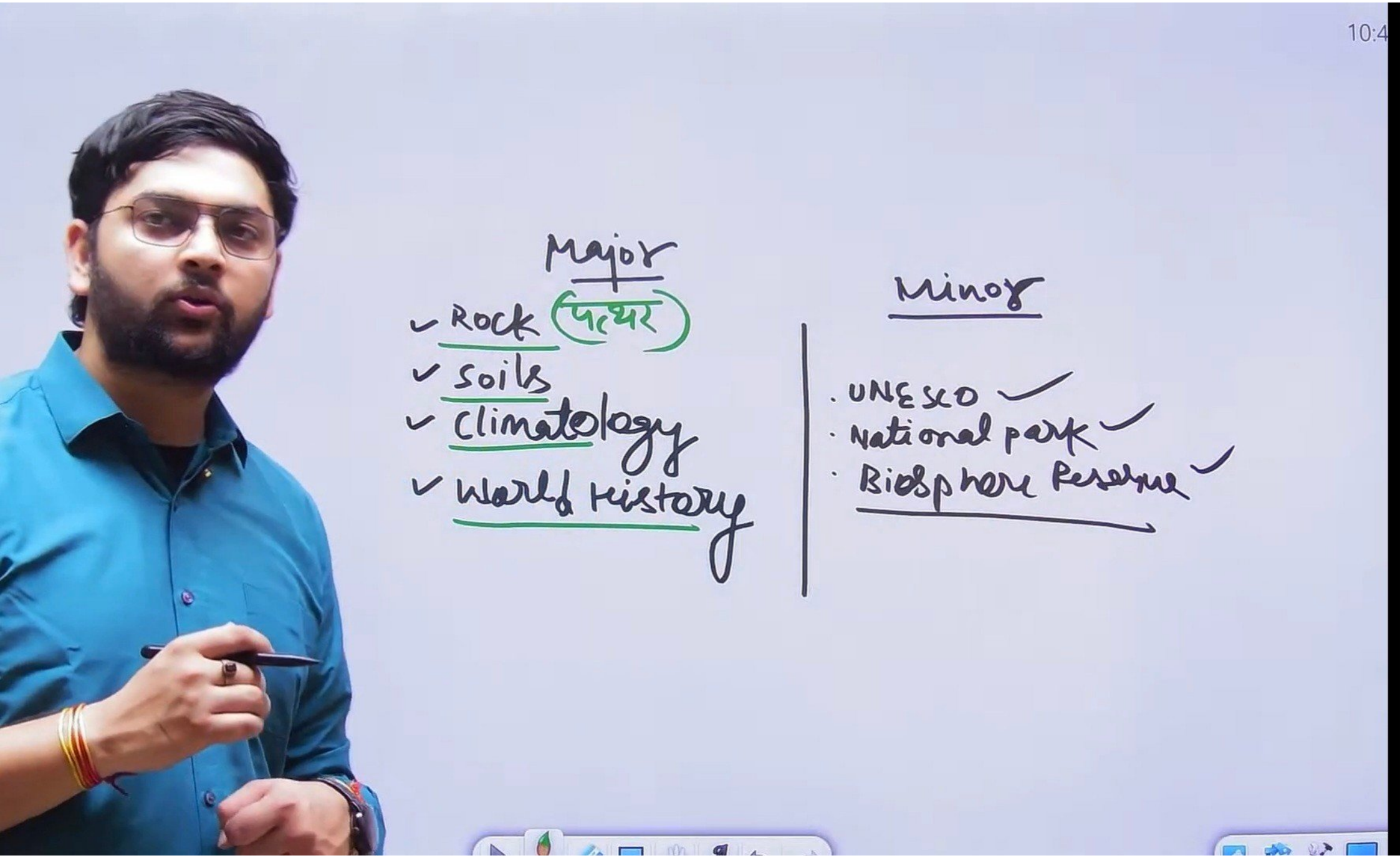

10:4
Major
Rock (पत्थर)
soils
Climatology
World History
Minor
UNESCO
National park
Biosphere Reserve

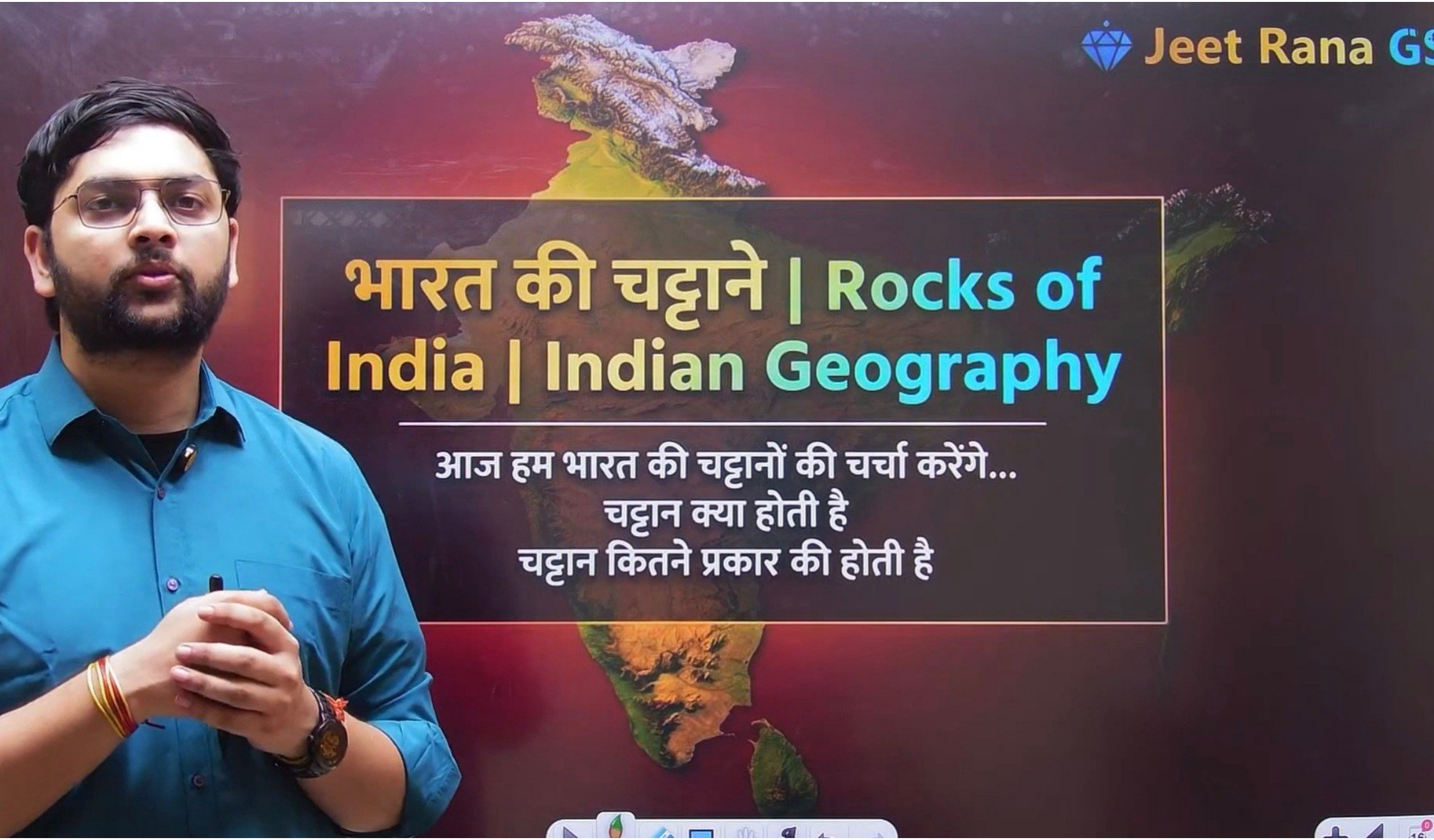
Jeet Rana GS
भारत की चट्टाने | Rocks of India | Indian Geography
आज हम भारत की चट्टानों की चर्चा करेंगे...
चट्टान क्या होती है
चट्टान कितने प्रकार की होती है

Jeet Rana

एक या एक से अधिक खनिज से निर्मित
ठोस पदार्थ को हम चट्टान कहते हैं

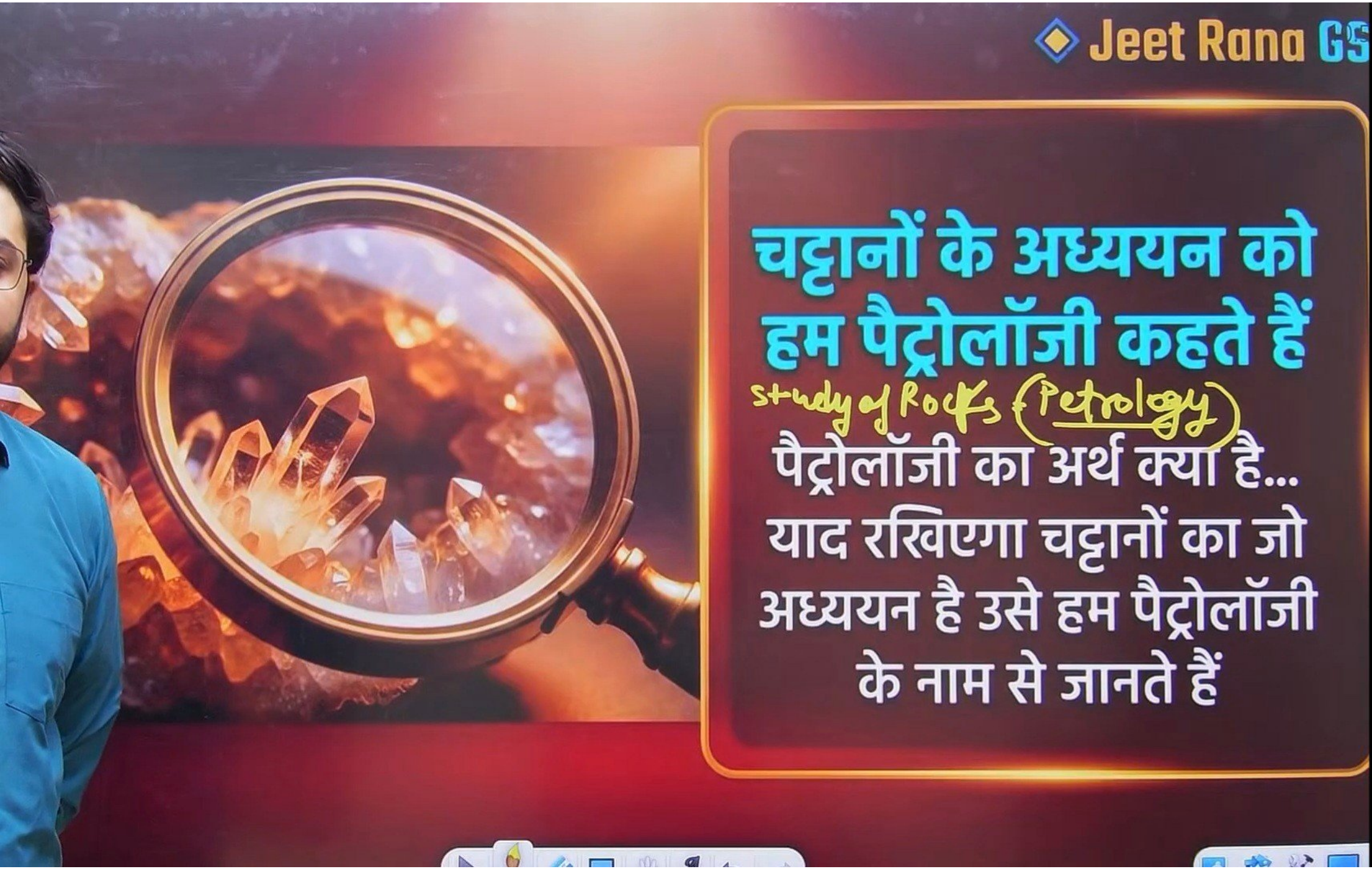

Jeet Rana GS

चट्टानों के अध्ययन को हम पैट्रोलॉजी कहते हैं

study of Rocks {Petrology}

पैट्रोलॉजी का अर्थ क्या है... याद रखिएगा चट्टानों का जो अध्ययन है उसे हम पैट्रोलॉजी के नाम से जानते हैं

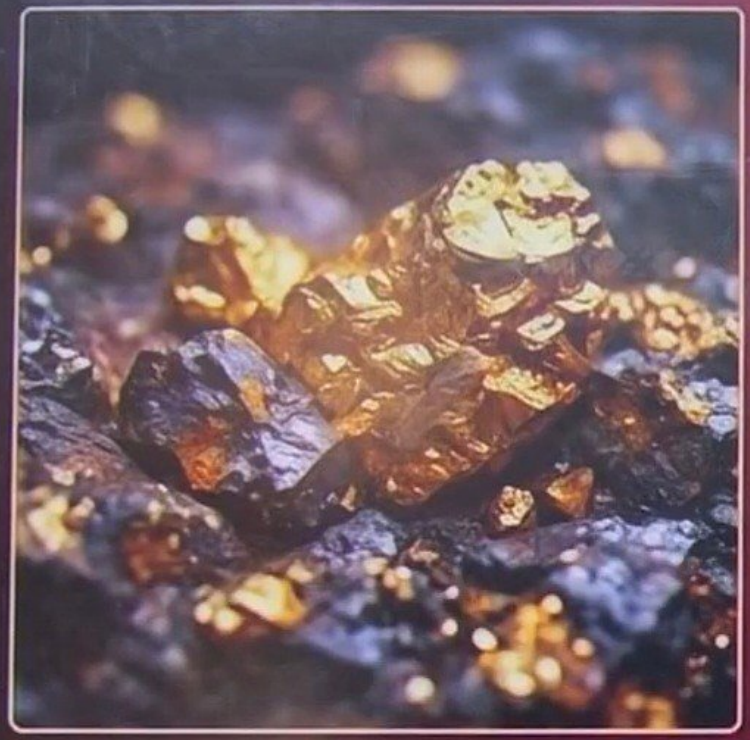

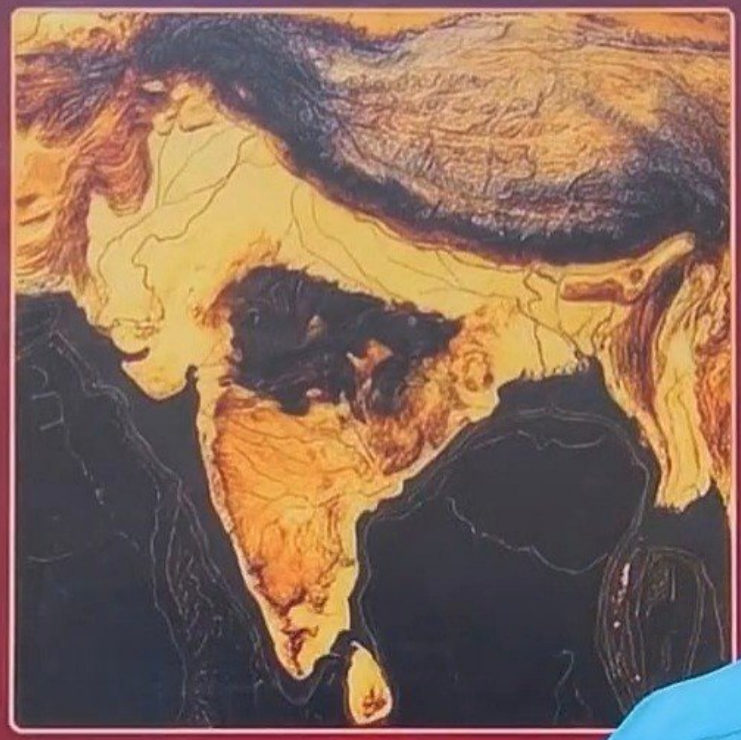

चट्टानों में ही खनिज पाये जाते हैं...

मिनरल किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान करते हैं

चट्टानों से ही मृ
निर्माण होता

मालवा का जो
वहां पर काली
निर्माण हु

Jeet Rana

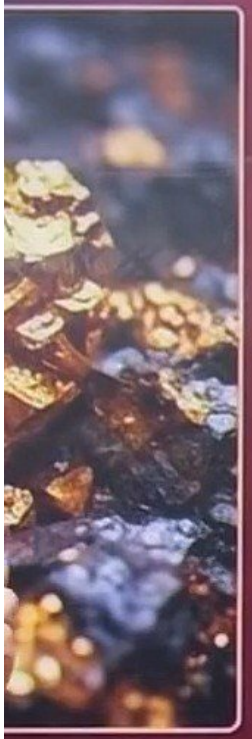

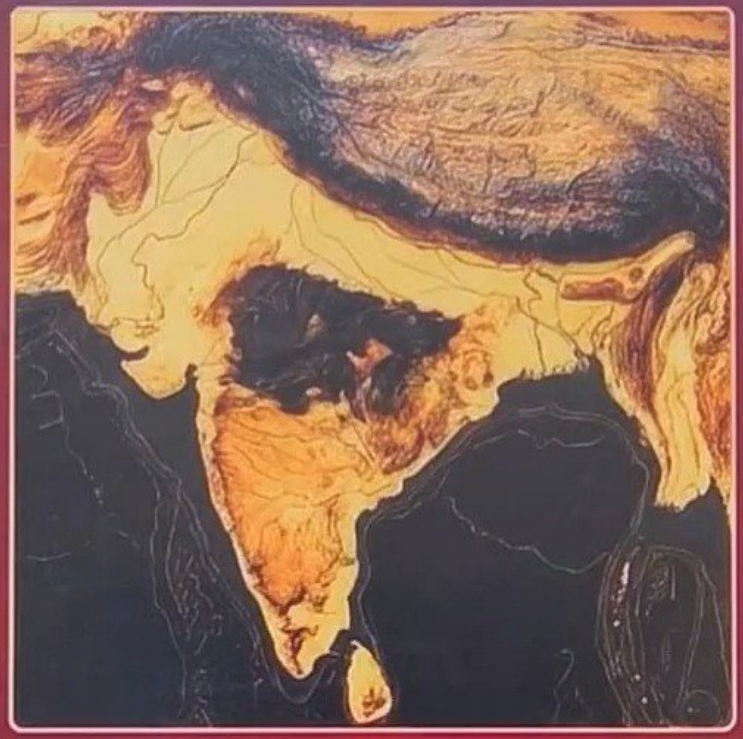

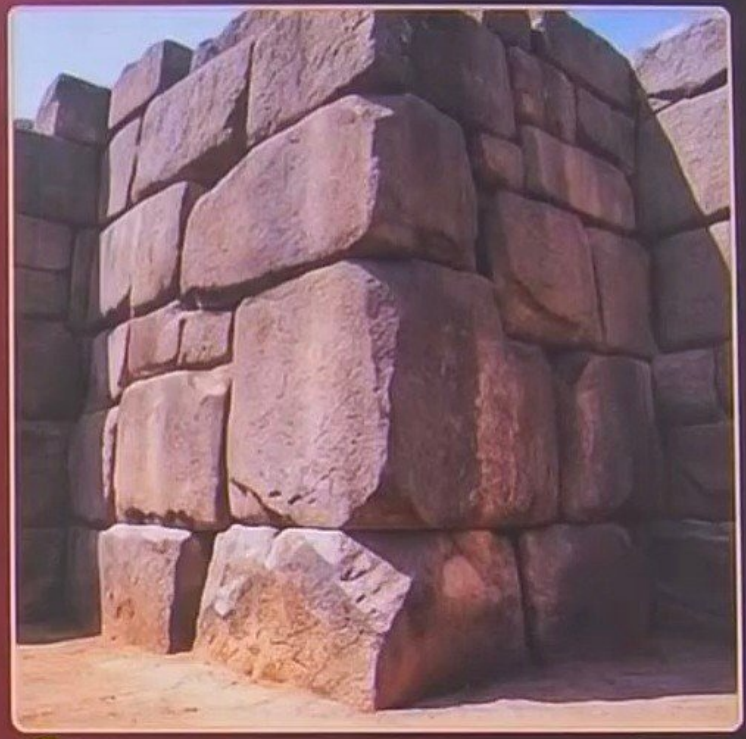

खनिज

...

भी देश

ा को

रते हैं

चट्टानों से ही मृदा का निर्माण होता है...

मालवा का जो पठार है वहां पर काली मिट्टी का निर्माण हुआ

(Construction) कंस्ट्रक्शन के लिए भी बड़ा Important है...

हमेशा मिट्टी की जांच की जाती है चट्टानों की जांच की जाती है

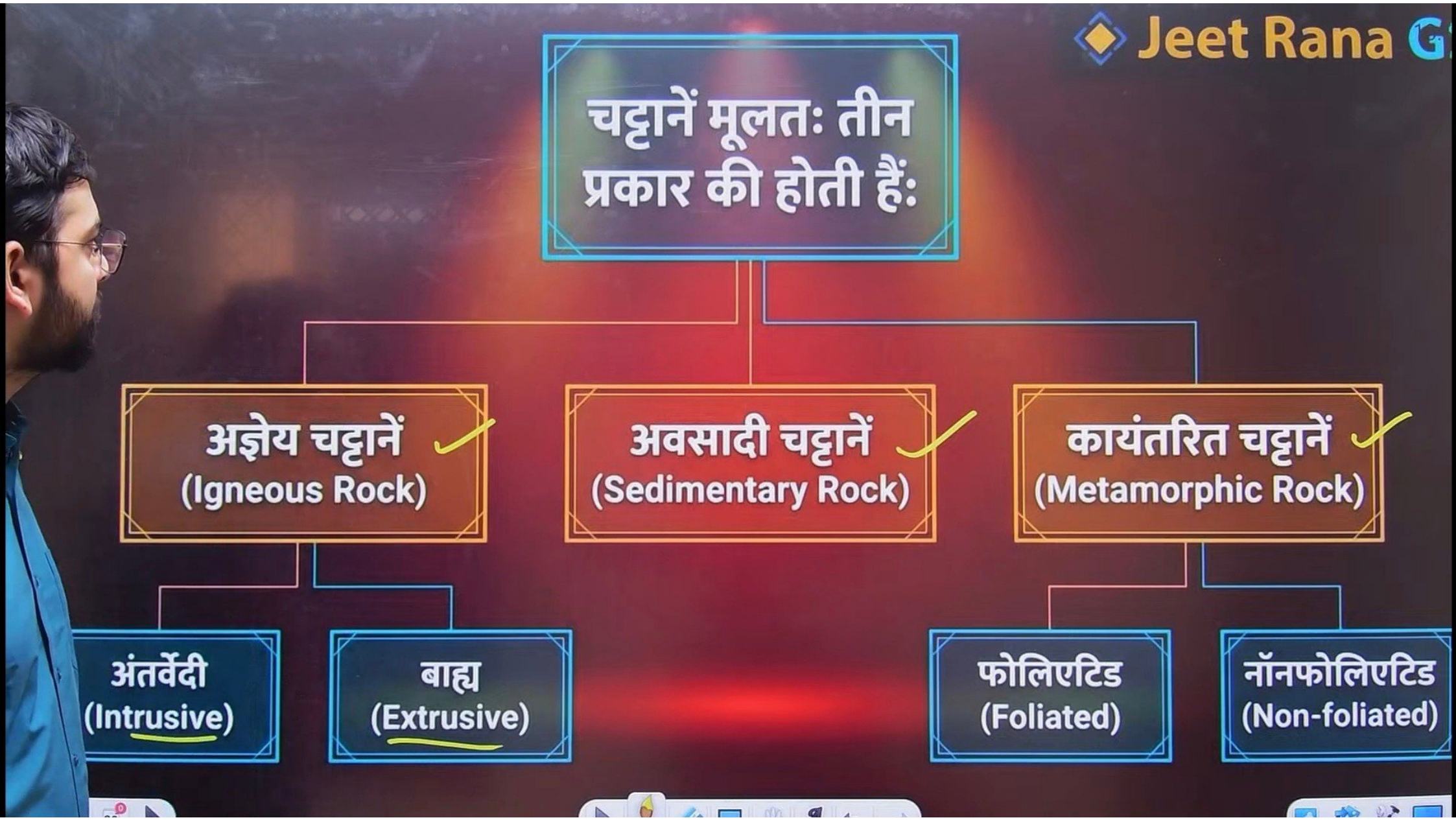
Jeet Rana
चट्टानें मूलतः तीन प्रकार की होती हैं:
अज्ञेय चट्टानें (Igneous Rock)
अवसादी चट्टानें (Sedimentary Rock)
कायंतरित चट्टानें (Metamorphic Rock)
अंतर्वेदी (Intrusive)
बाह्य (Extrusive)
फोलिएटिड (Foliated)
नॉनफोलिएटिड (Non-foliated)

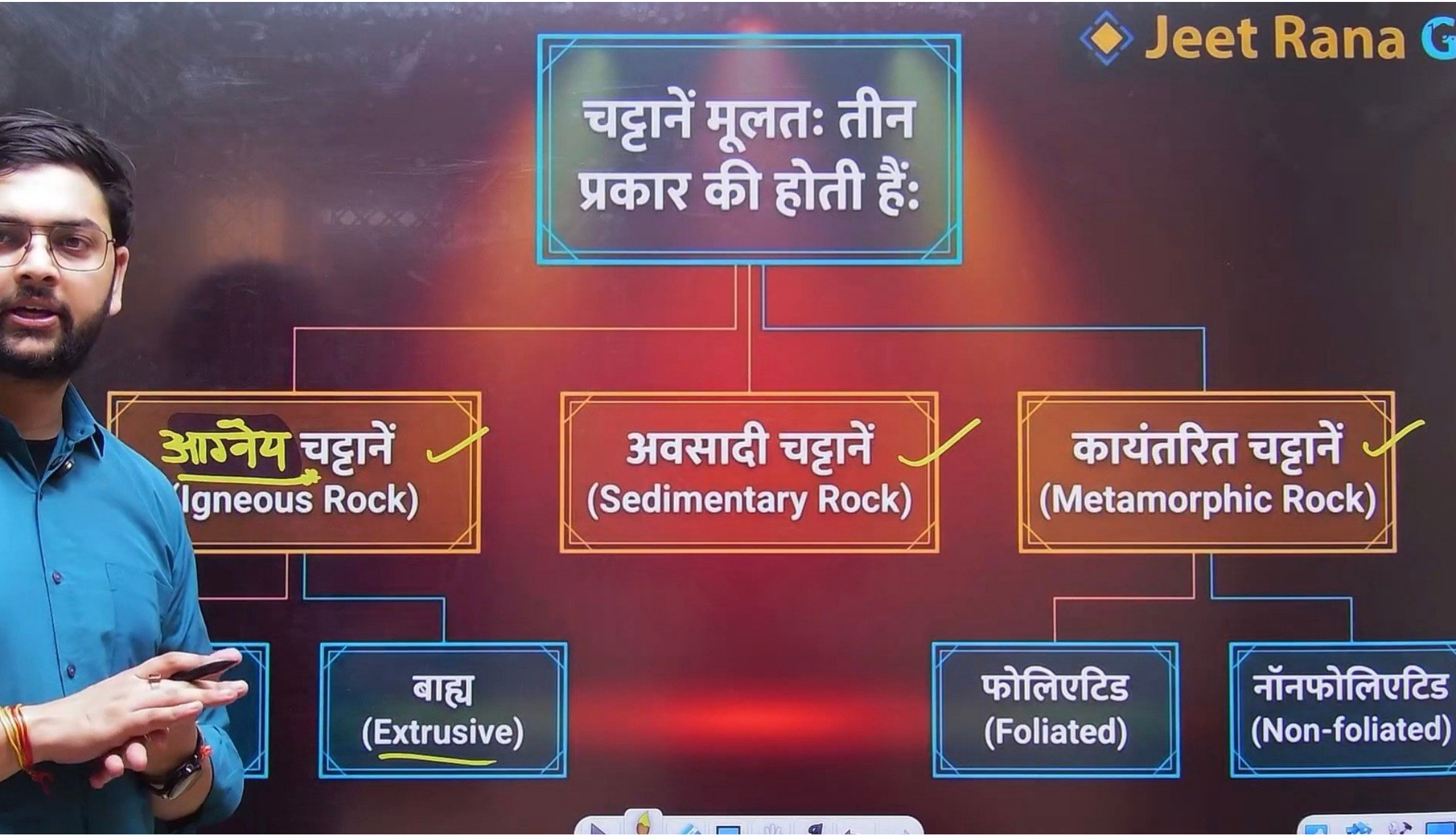
Jeet Rana
चट्टानें मूलतः तीन प्रकार की होती हैं:
आग्नेय चट्टानें
(Igneous Rock)
अवसादी चट्टानें
(Sedimentary Rock)
कायंतरित चट्टानें
(Metamorphic Rock)
बाह्य
(Extrusive)
फोलिएटिड
(Foliated)
नॉनफोलिएटिड
(Non-foliated)

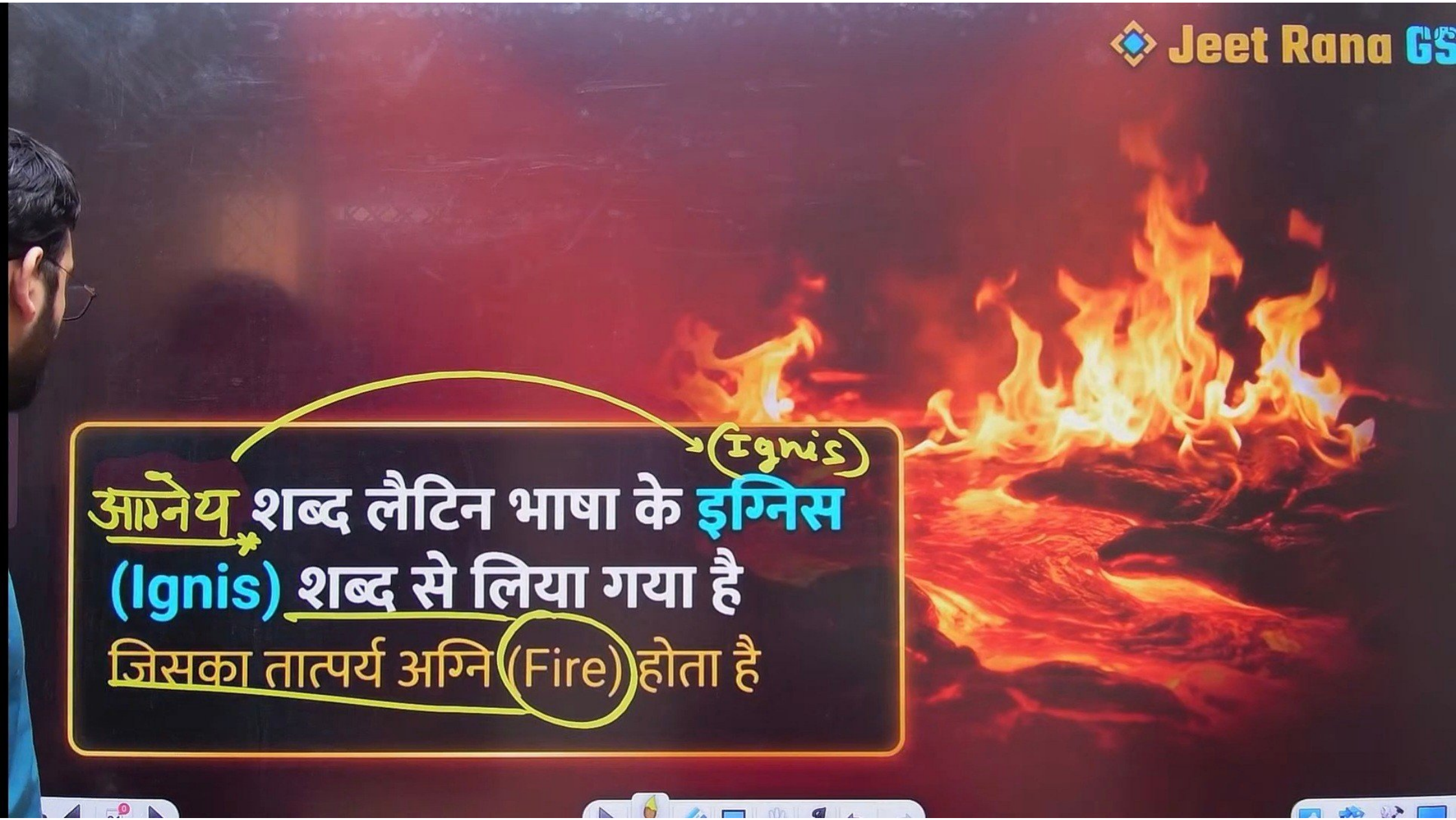
Jeet Rana GS
आग्नेय शब्द लैटिन भाषा के इग्निस (Ignis) शब्द से लिया गया है
(Ignis)
जिसका तात्पर्य अग्नि (Fire) होता है

Jeet Rana G

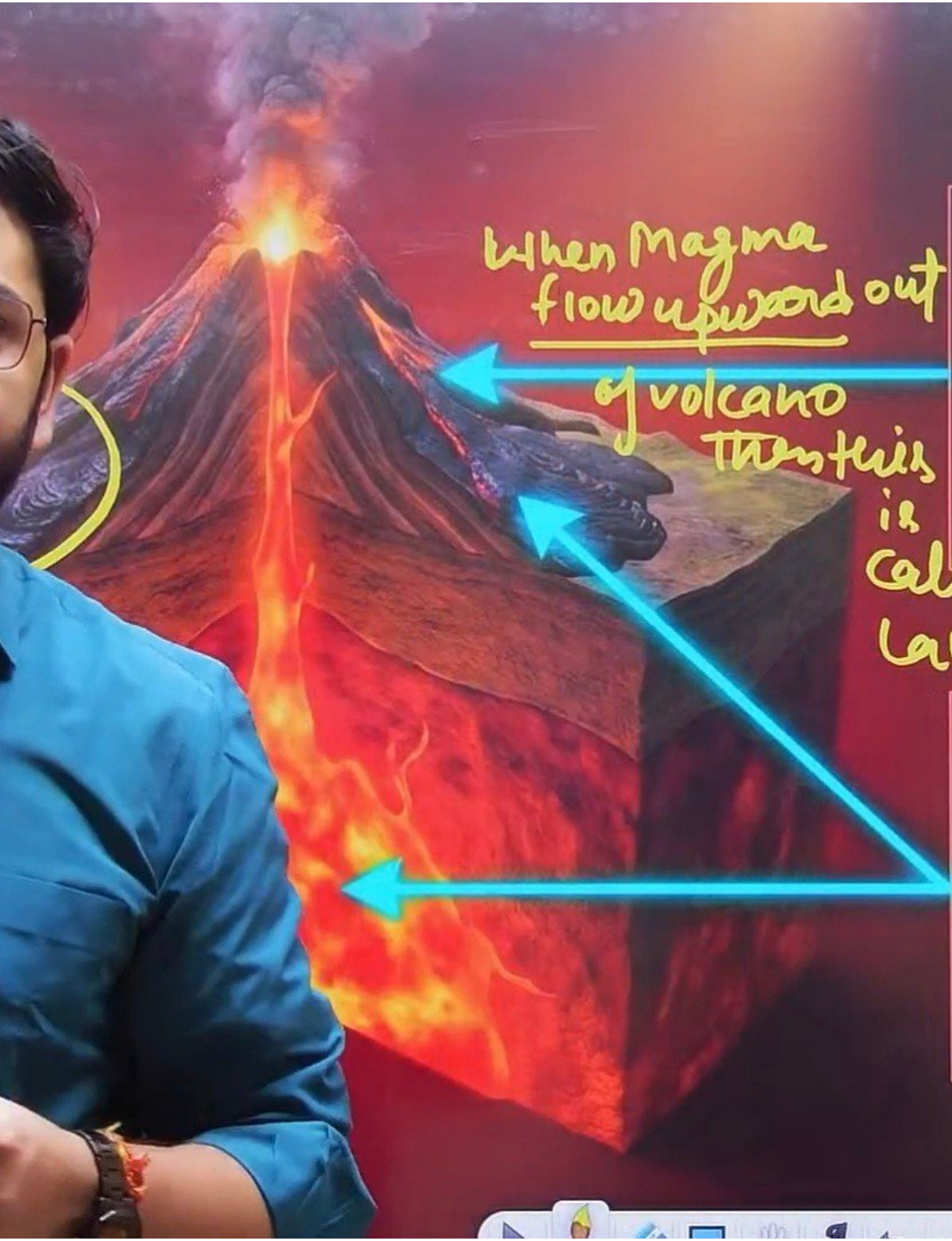

When Magma flow upward out of volcano then this is called Lava and after cooling down it forms Igneous

पृथ्वी के आंतरिक भाग में स्थित मैग्मा जब अपने ऊपर गामी गति से ठंडा होकर ठोस बन जाता है तो आग्नेय चट्टान का निर्माण होता है

जब ये पिघली हुई चट्टानें पृथ्वी के अंदर होती हैं तो उन्हें मैग्मा कहते हैं लेकिन जैसे ही ये पृथ्वी के बाहर आती हैं इन्हें लावा कह दिया जाता है

Jeet Rana
अत्यधिक कठोर होते हैं।
वजह से इनका अक्षय बहुत
गति से होता है
(Residual is slow)
इनका निर्माण लावा के ठंडा
होने से हुआ है इसी वजह से ये
दानेदार (Crystalline) होती हैं

परत हीन (Layerless) होती हैं - इसमें परत नहीं पाई जाती

जीवाश्म विहीन (No Fossils) होती है - इसमें किसी भी प्रकार के फॉसिल नहीं पाए जाते

No colour and No water Holding capacity.

(Non-Porous) होती है - इसमें रंध्र नहीं पाए जाते

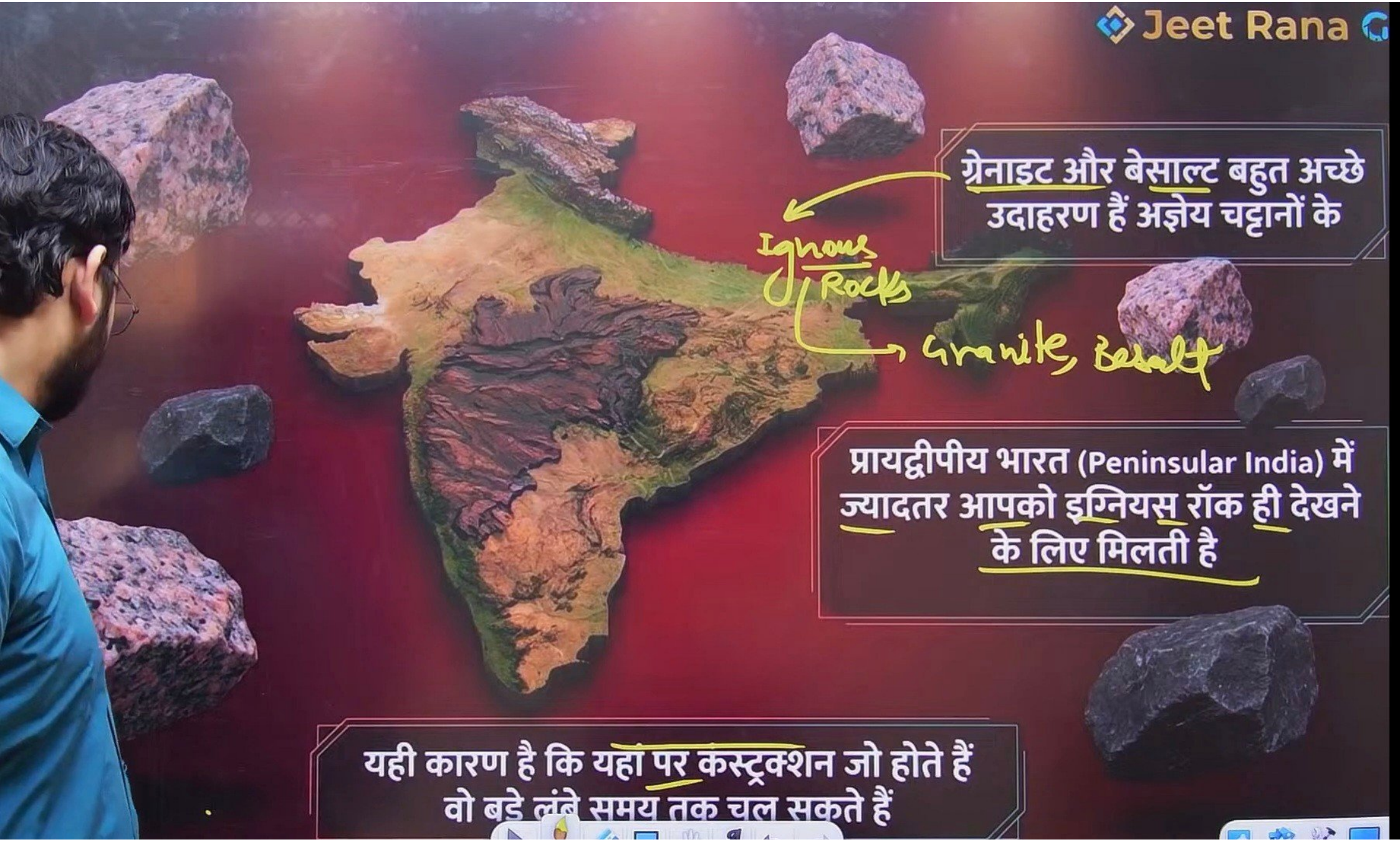
Jeet Rana
ग्रेनाइट और बेसाल्ट बहुत अच्छे उदाहरण हैं अज्ञेय चट्टानों के
Ignous Rocks
Granite, Basalt
प्रायद्वीपीय भारत (Peninsular India) में ज्यादतर आपको इग्नियस रॉक ही देखने के लिए मिलती है
यही कारण है कि यहा पर कस्ट्रक्शन जो होते हैं
वो बड़े लंबे समय तक चल सकते हैं